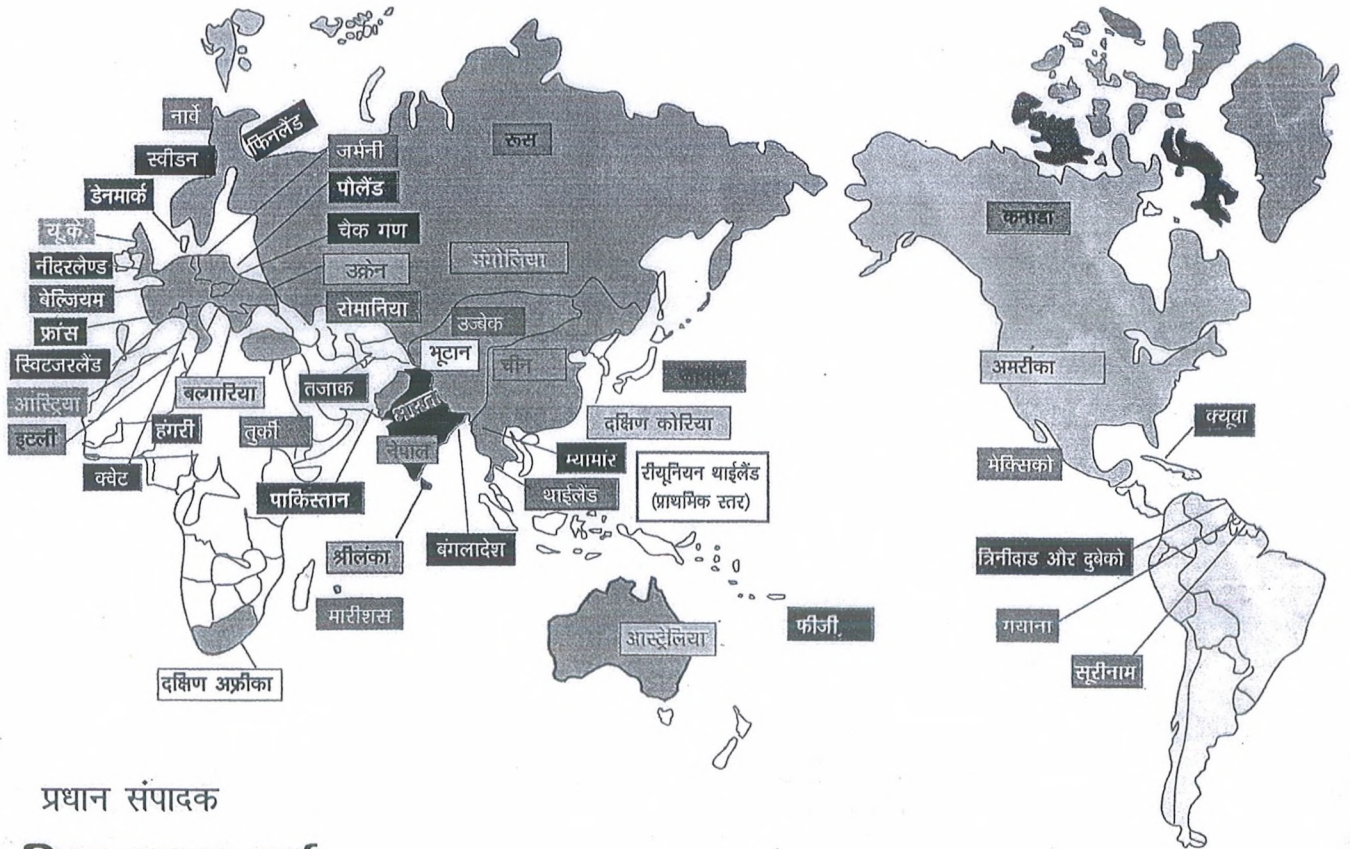




# शोध संचार बुलेटिन

द्विभाषिक, त्रैमासिक अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका  
हिन्दी का साम्राज्य  
जहाँ सूर्य अस्त नहीं होता



प्रधान संपादक

डॉ० विनय कुमार शर्मा

संचार एजुकेशनल एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन, लखनऊ (उप्र), भारत द्वारा प्रकाशित

## अनुक्रमणिका / Contents

### हिन्दी

1. देश से विदेश तक हिन्दी की यात्रा	डॉ. महेश दिवाकर	1
2. इटली के विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य शिक्षण	प्रो. मारीओला ओफरेदी	4
3. नार्वे में हिन्दी का परिदृश्य	सुरेश चन्द्र शुक्ल (शरद आलोक)	6
4. हिन्दी शोध संघर्ष की रोमांचकारी दास्तान	डॉ. बद्रीनारायण तिवारी	8
5. ब्रिटेन की हिन्दी सेवी संस्थाएं : एक विहंगावलोकन	डॉ. विनय कुमार शर्मा	10
6. वैश्विक समाज में हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यता	डॉ. सुधारानी सिंह	14
7. नासिरा शर्मा की नज़र में स्त्री संघर्ष	डॉ. पंकज सिंह	17
8. कृति की गुणवत्ता और अनुवाद की राजनीति	डॉ. शशि पंजाबी	20
9. स्वतंत्रता पूर्व प्रगतिवाद में मानवीय चेतना	सुधा कुमारी	23
	डॉ. धर्म देव तिवारी	
10. हिन्दी के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से संचार माध्यमों की भूमिका	डॉ. दिलीप शर्मा	26
11. हिन्दी उपन्यासों में चित्रित पुलिस व्यवस्था	डॉ. ज़ाहिदा ज़बीन	29
12. दलित साहित्य की भाषा एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य	डॉ. सुरेश साहु	32
13. रीतिमुक्त कवि आलम के काव्य में नायिका-भेद	डॉ. पुनीत मक्कड	35
14. प्रेमचन्द का धार्मिक एवं आध्यात्मिक चिंतन	डॉ. ममता ध्यानी	37
15. दलित चेतना और हिन्दी उपन्यास	डॉ. पवन कुमार शर्मा	40
16. धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक संत कबीर	डॉ. उषा देवी	43
17. भारतीय संस्कृति की सांस्कृतिक आधार पर व्याख्या और दर्शन	डॉ. संजीव कुमार	46
18. समाज में साहित्य की आवश्यकता	शिखा त्रिपाठी	49
19. राष्ट्रभाषा हिन्दी के विकास के विविध आयाम	आलोक सक्सेना	52
20. प्रेमचन्द के उपन्यासों में दलित वर्ग की अवधारणा	श्यामली बोरा	55
21. मीराबाई की भाषा के विविध पक्ष : एक विश्लेषण	श्रीमती हेमलता	57
22. भक्तिकाल में नारी दृष्टिकोण	सरला कुमारी	59
23. कर्तव्य बोध – दृष्टि एवं चेतना	कृ. ज्योति	62
24. नाट्य का उद्भव एवं विकास – वैदिक सन्दर्भ में	कृ. निर्मल	64

### समाजशास्त्र

25. भारत में वैश्वीकरण की प्रक्रिया एवं महिला सशक्तिकरण	डॉ० अन्जू	66
26. अथर्ववेदीय – पारिवारिक जीवन की प्रासंगिकता	दीप्ति यादव	69
27. भारत में सामाजिक परिवर्तन : दशा और दिशा	बेनी माधव पाण्डेय	71

### इतिहास

28. वैदिक काल में श्रेणी-संगठन का स्वरूप	डॉ. जगबीर सिंह	73
--	----------------	----

### राजनीतिशास्त्र

29. प्राचीन साहित्य में राज्य का सप्तांग स्वरूपों का अनुशीलन	पंकज यादव	76
30. पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण	नीशू कुमार	78
	प्रदीप कुमार शर्मा	

### संस्कृत

31. "प्राचीन-साहित्य में निदर्शित आश्रम-धर्म	डॉ. एम.एल. यादव	81
--	-----------------	----

- |  |                        |
|--|------------------------|
| 32. योगवाशिष्ठ में मोक्ष की अवधारणा  | डॉ. दीप्ती बाजपेयी     |
| 33. याज्ञवल्क्य स्मृति में वर्णित न्याय एवं दण्ड व्यवस्था की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता" | डॉ0 हीराबल्लभ कोट्यारी |
| 34. वैदिक वर्णव्यवस्था की वर्तमानकाल में प्रासंगिकता   | कविता यादव             |
| 35. वाल्मीकि रामायण के सुन्दर काण्ड में उपमानकृत अर्थवैशिष्ट्य                                     | सरिता सिंह             |
| 36. वैदिक साहित्य में प्राकृतिक चिकित्सा का स्वरूप   | कु0 अर्चना             |
| 37. वेदों में जल चिकित्सा का महात्म्य  | देवदत्त                |
| 38. "वैदिक साहित्य में आचार और धर्म का स्वरूप"   | मधु धामा               |
| 39. वर्तमान जीवन में संस्कारों की उपयोगिता   | निकिता मंगला           |

### शिक्षा शास्त्र

- |   |   |
|---|---|
| 40. गोस्वामी तुलसीदास जी के व्यक्तित्व का शिक्षाशास्त्री के रूप में विश्लेषण  | डॉ0 दीपक शर्मा  |
| 41. समय के साथ बदलता शिक्षा का स्वरूप.....वर्तमान स्थिति ।  | डॉ. केशव प्रसाद पाण्डेय<br>रमाशंकर पाण्डेय<br>ममता मिश्रा |
| 42. डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के शिक्षा दर्शन पर बौद्ध प्रभाव"  | जय कुमार सिंह   |
| 43. वर्तमान सन्दर्भ में आधारभूत शिक्षा और गाँधी   | मनोज कुमार  |
| 44. टैगोर के शैक्षिक विचार – एक दृष्टि"   | विनीता  |
| 45. गाँधी शिक्षा और सत्याग्रह : एक गवेषणा   | शुचि शर्मा  |
| 46. कबीरदास की शिक्षक महिमा की उपादेयता   | मीरा  |
| 47. भारतीय शिक्षा में यम विधान एक आवश्यकता  | अनिता कुशवाहा   |
| 48. स्वामी रामकृष्ण परमहंस जी की दृष्टि में नर व नारायण के प्रति दृष्टिकोण  | प्रतिभा लौर   |
| 49. अष्टांग योग में यम-नियमों के व्यवहारिक विश्लेषण   | अनुराधा   |
| 50. पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के शैक्षिक सिद्धान्तों में गुरु-शिष्य सम्बन्ध का विश्लेषणात्मक अध्ययन                  | दीपाली रस्तोगी  |
| 51. जैन दर्शन के अनुसार तत्त्वार्थसूत्र में सम्यग्ज्ञान का शैक्षिक विश्लेषण   | रजनी कौशिक  |
| 52. महामना मदन मोहन मालवीय जी का दार्शनिक एवं मनोवैज्ञानिक विश्लेषण   | दीपमाला   |
| 53. जैन दर्शन में रत्नत्रय की शैक्षिक उपादेयता का समीक्षात्मक अध्ययन  | विनीता अहलावत   |
| 54. बौद्धकालीन शिक्षा प्रणाली की प्रासंगिकता का अध्ययन  | सुषमा कुमारी  |
| 55. भारतीय शिक्षा में चित्तवृत्तियों की उपयोगिता"   | पंकज चौहान  |
| 56. डॉ. जाकिर हुसैन जी की शैक्षिक अवधारणा   | विभोर भारद्वाज  |
| 57. बाल शिक्षा और स्वामी विवेकानन्द : एक परिशीलन  | आरती बंसल   |
| 58. महर्षि दयानन्द के स्त्री शिक्षा सम्बन्धी विचारों की विवेचना   | प्रतिभा   |
| 59. वैदिक शिक्षा- मनोविज्ञान एवं उद्देश्यों का अनुशीलन  | श्रीमती प्रतिभा शुक्ला                                    |
| 60. वित्तीय एवं वित्तविहीन मान्यता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों एवं छात्राओं के नामांकन की स्थिति | डॉ. किरन सिंह   |

### वाणिज्य सहाय

- |   |                   |
|---|-------------------|
| 61. जिला सहकारी बैंक नैनीताल एवं ऊधमसिंह नगर जनपद की कार्य प्राणाली | डॉ. साक्षी तिवारी |
|---|-------------------|

### ENGLISH SECTION

#### English

- |  |                      |
|--|----------------------|
| 1. Mahesh Dattani and Indian English Drama                             | Dr. S. Chelliah      |
| 2. The Female Protagonists In the Novels of Chitra Divakaruni : A Note | Dr. A. Soundararajan |
| 3. Portrayal of Female Protagonists In Anita Desai's Fiction           | C. Ramya             |

4. Nayantara Pandit Sahgal As a Novelist Mukta Purkayastha 160
- Home Science**
5. A Review Spirulina and Its Huge Health Benefits Dr. Sangita Srivastava 162  
Ms. Ammatul Fatima
6. Assessment Of Musculo Skeletal Problem And Angle Of Deviation Of Farm Women In Weeding Activity Nazia Khan 165  
Vandana Varma
- Commerce**
7. An Analytical Study of Problems And prospects In Apparel Retailing In Lucknow Division Saukat Ansari 168
- Economics**
8. MSMEs Contribution To Inclusive Growth And Employment Opportunities: A Case Study Of Barhampur Development Block, Nagaon, Assam Dr. Purushottam Bhandari 171  
Ajit Borah
9. Micro Finance And Inclusive Growth: An Overview Dr. Yamini Pandey 174
10. Performance of Indian Scheduled Commercial Banks Palvinder Kaur 177
- Botany**
11. Effect Of Salt Stress On The Morpho-physiological Characteristics Of Some Salinity Phytoremediating Plant Asha Sangwan 180
- Education**
12. Globalization a Special Reference in Indian Higher Education Perspective Dr. Pawan Kumar Sharma 182
13. "The Role of Yoga in Reducing Life Stress of University Students Ankur Verma 185
14. "A Comparative Study of Curricular Demands and Perceived Academic Stress of Primary Level Children of Leading English Medium institutions of Etawah" Shimla 188
15. Study Of Cultural Values Between Urban And Rural Students Bhupendra 191
16. Industrial Child Labour, Role of Govt. & NGO's With Special Reference to Assam & Nagaon District Monjusree Bora 194
17. A Study of Teacher Effectiveness in Relation To Emotional Intelligence. Mrs. Dimple Dahiya 196
- Music**
18. Music In Puranas Dr. V. Janak Maya Devi 196
- चेमिनार रिपोर्ट**
19. अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी भाषा संकल्प समारोह डॉ. किशोर कुमार 202
20. अखिल भारतीय मंचीय कवि पीठ, लखनऊ का अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी कविता समारोह वर्ष 2012 नीलम शर्मा 204
- पुस्तक समीक्षा**
21. Social Change Dr. R. S. Singh 207
22. सरकारी दफ़तर का कच्चा-चिट्ठा खोलता ब्यंग्य-संग्रह 'गाड़ी सरकारी दफ़तर की' डॉ. कृष्ण गोपाल दास 208
23. विकास संचार : विविध परिदृश्य – विकास का साक्षात्कार नीलम शर्मा 210





## MUSIC IN PURANAS

□ Dr.V.Janaka Maya Devi\*

## ABSTRACT

Puranas are the treasure of our Indian history, which picturise the life style of ancient people. Puranas are the guide, not only for the ancient people, but for the present and future man kind to lead a pieceful life. They are the richest collection of mythological informations, folklores, stories, literature, knowledge regarding sacred rituals in the form of hymns. Puranas were categorised as major and minor. It was written by Veda Vyasa after the great epic Mahabharata. This research reveals the musical information from Bhagavata, Agni Purana, Harivamsa, Markandeya, Vayu, Skantha, Brhaddharma and Visnudharmottara. Since Puranas are the sources which throw light on the cultural history of the ancient people, the analyses from few of the main 18 Puranas will help us to know about the musical information of the ancient period such as: Svaras, the various types of musical forms (songs), different types of Talas, meters and so on.

According to the dictionary, Purana means- old, belonging to olden times, a tale of the past, ancient or legendary history and so on. Hence this study will help to gain the knowledge of the musical history of ancient time.

**Bhagavata Purana:** In this, Bhakti Yoga is portrayed to realize God in 18,000 verses into twelve Skandhas (chapters). It contains Vishnu's ten avatars. The tenth canto is the longest one, which narrates the deeds of Krishna.

Musical references are noteworthy and the information regarding music is the resource for us and for the future also. Few references from Bhagavata Purana mentioned below are :

1) Sama Veda, 2) Gitam, 3) Trend of singing with accompaniments, 4) Sangita as a compound venture, 5) Gandarva style of music pattern 6) Svaras 7) Various Talas 8) musical instruments.

1) In Bhagavata Purana, Sama Gana was mentioned in many places. Sama Veda was also termed as Brahma Gosha (Skandha-1, Adhyaya -11, Sloka 18).

2) Gitam: Music compositions were named in a general term as Gitam. The example is:

Devayanye purodyana pushpitadrumasankule |  
vyacarat kalagitalinalinipulinebala |

skandha -9, adhyaya-18, sloka-7

3) Songs were also rendered along with the accompaniments of music instruments. For example:  
Tamayantamabhipretya brahmavartasraja : patim |  
gitasamstuti vaditrai : pratyudiyu : praharshita: |  
skandha -3, adhyaya-22, sloka-28

4) Music was mentioned as a compound venture of Geetam, Vadhyam and Nrutyam in most of the places. Following Sloka is cited as an example.

a) Nrutya vaditra gitaisca stutibhi : svaati vacakai :  
lkarayet tatkathabhisca pujam bhagavata nvaham |  
skandha -8, adhyaya-16, sloka-57

b) Majjanma karma kathanam mama parvanumodanam |  
gita tandavaditra goshti bhirmadgruho tsava : ||  
skandha -11, adhyaya-11, sloka-36  
-in the above sloka the term 'Tandava' denotes one of the patterns of dance.

5) **Gandarva:** In Bhagavata Purana the Gandarva style was mentioned. It means in the third century B.C also Gandarva type music was in practice.

Tatra Gandarva marganya divya marga manoharam |  
visismyu rajaputrata mrudanga panavadyanu ||  
skandha -4, adhyaya-24, sloka-23

### 6) Svaras:

a) Origin of Svaras: Music, Nada, Svaras are always portrayed as God . For any kind of music, Svaras are the basic component or the vital source .Without svara, there won't be any music. Hence Svaras are the back bone of music. The origin of Svaras stated in Bh?gavata Purana is as follows :

Ushmanamindrayanyahuranta : stha balamatman : |  
svara : sapta viharena bhavanti sma prajapate :||  
skandha -3, adhyaya-12, sloka-47

The Atmabala of Brahman (Prajapati) is mentioned as the originating place of Sapta Svaras.

Svaras were numbered as seven is noteworthy.

### 7) Tala:

#### Satala:

Mrudanga Sankhanaka dundubhisvanai : satala veena  
murajashtir venu bhi : |

Nrutyai : savadyai roopa devagita kairmanoramam  
svaprabhaya gitaprabham ||

skandha -8, adhyaya-15, sloka-21

Here, deva Gita (Sama Gana) was sung with various instruments, which was set to Satala.

#### Malla Tala:

Vadyamaneshu turyeshu malla talottareshu ca |....||  
skandha -10,adhyaya-42 ,sloka-36

8) Musical instruments: Mrudanga, Sankha, Dundubhi, Veena, Muraja and Venu are the instruments mentioned in the below Sloka:

Mrudanga Sankhanaka dundubhisvanai : satala veena  
murajashtir venu bhi : |

**Agni purana: (9th .cent. A.D)** It contains details of Vastu Sastra and gemology in 15,400 verses. Regarding music the metres and Ganas are mentioned in this Purana. While talking about Ganas, the short and long vowels , which play a great role in music were dicussed. Saman singing and the metres Gayatri, Anustubh, Brhati are also dealt with in it. Gita is the term to denote song.

**Harivamsa purana:** This is considered to be Itihasa (epic poetry) in 16,000 verses. In the Harivamsa purana also Saman singing has been mentioned. The Pavamana - Saman - Stotras were sung and also recited outside the Mahavedi. There are ample references to music found in the Harivamsa. Stutiganas - (in honor of Siva) Chhalikya Gana, Asaritagiti are different types of music

compositions. The names of Serpent king Asvatara (Naga dynasty) and his brother Kambala occur in Ramayana, Mahabharata, Harivamsa and other Puranas.

**Markandeya Purana:** In Markandeya Purna (3rd - 5th Cen. A.D.), Chapter - XXI, - the king Asvatara and Kambala used seven jatis to their compositions of seven Gita-s'. An interesting evidence in Markandeya purana is that, Devi Saraswati, the embodiment of all arts and science of music, bestowed the desired boon upon Asvatara and Kambala, saying -

**Sapta** - surah gramarragah sapta pannaga-sattama |

Gitakani Sa Saptaiiva tavatisvaip marchhanah ||

Tanaschrikonapanchasat tatha gramat rayancha - yat ||

Etat Sarvam bhavam gata kambalascha tathanagha ||

Jnayasye mat - prasadena bhujagendra - param tatha ||

Chaturvidham padam tatam triprakaram layatrayam ||

Yatirayam tatha todyam maya dattam chaturvidham ||

.....

Asyantargatamayattam Svava - vynijana - Sammitam ||

Tadasesam maya dattam bhavatah kambalasyacham ||

Tatha nyanyasya bhurloke patale chapam pannaga ||

Pranetarau bhavantau cha sarvasyasya bhavisyatcham ||

Patale devaloke cha bhurloae chaiva panna gam ||

Oh King of the Serpents, both you and your brother Kambala will be able to master the seven notes, seven Grama Ragas, fifty-nine Tanas and three gramas. Moreover, I bestow upon you the boons of getting efficiency in four Padas, three Talas, three Yatis and four Todyas. By my benediction and grace, both of you will be able to acquire the knowledge of this arts ..... everywhere you will be honored.

Markandeya -Purana mentions four types of compositions as Chaturvidham Padam. The Pada contains the notes and tempos. So it is termed as Vastu. Four kinds of rhythm- Avapa, Niskrama, Viksepa and Pravesaka, three kinds of tempos -Vilambita, Madhya and Druta, three kinds of Yati-Sama, Srotogota and Gopucha, four kinds of Atodya (musical instruments) -Tata, Susira, Avamandita and Ghana are also taken place in this Purana. Seven Gities (raga Gities) are also mentioned in Markandeya Purana..

**Vayu purana:** The Vayu purana (300 AD to 500 A.D.) devotes two chapters (86-87) on music and hence writers sometimes refer to it as a source of music. It describes

that Svaramandala consisted of seven notes, the Sadja Madhyama Gramas, forty-nine Tanas and twenty-one Marchchanas. Besides these, three hundred Alamkaras are mentioned. When the Varnas and Padas are combined according to their own quality, they are known as. On the other hand, Alamkaras (300) were the embellishments of Gitas i.e., songs. Alamkaras Lord Siva is described as 'Gitasila', that means Siva is accustomed to songs.

**In Skantha purana**, Chapter XXVI - 'Dvarakamahatmy' is stated that Bhajans can be sung not only in Sanskrit but also in any other languages. This purana also refers to three grama ragas and seven svaras.

The Brhaddharma purana speaks about Nada, Twenty two Srutis (Dayavati and the rest), seven Svaras, with their three Gatis, Svaram-compositions, Ragas, Raginis, (the Svaram compositions are the Ragas and Raginis, 5 crores 5 lakhs 5 thousands in number), six ragas, with their thirty six wives (Raginis) and Dasi raga, Dasa ragas, etc.

*This purana also states that Siva raised the Nada and manifested the Raga Gandhara. There is an interesting song on Lord Siva and Vishnu. The Sahitya is the message of a beloved, sent to Vishnu as the lover, through a messenger is as follows:-*

Kesva Kamalamukhi mukha kamalam  
Kamalanayana Kalayatula mamalam |  
Kunjagruhe vijaneti vimalam || Dhruva :  
Surucirahemalatanavalamba -  
tarunatarum bhagavantam |  
Jagadavalambana mava lambitu -  
Manukalayati satu bhavantam ||

Then Siva sang the Ragini of Gandhara called 'Sri'. The sahitya is -

Rasikesh Kesava he  
Rasa sara simiva mamupa yojaya  
Rasa maya Rasamiva h? || Dhruva : ||

Vishnu felt now as if embraced; He became 'Sri'. He, along with the whole - Vaikuntha, was billowing in the Rasa - i.e. -Vishnu's body had become the Rasa of the Gana Brahman. Here it is understood that the compositions were composed even in Srngara rasa.

**In Visnudharmottara** - Purana (between 450 and 650 A.D.) two chapters were devoted to vocal and instrumental music. The XVIIIth chapter is devoted to Gstalaksana. Gita (song) had two fold - Samskrta and Prakrta. It dealt with

three registers (Sthanas) Urah (chest), Kanthah (throat ), Sirah (head ) ; three stayis - Mandra (low), Madhya (middle) and Tara (high); seven notes -Sadja, Rishabha, Gandhara, Madhyama, Pancama, Dhaivata and Nisada ; three gramas: Sadja, Madhyama and Gandhara; twenty one Murchanas Sauviri, Harinasva, Kalopanata, Suddha - Madhyama, Margi, Pauravi, Uttarayata, Suddhasadaja, Matsari - Krta, Asva-Kranta Udgata Alapa, Kuntima, Suddha, Uttara ,Aadja, Pancayata and Udgata ; forty nine Tanas and three Vrttis Vadi, Samvadi and Anuvadi.

Different Musical compositions (gitas) namely Aparantakam, Ullopyam, Mandrakam, Prakari, Vainakam, Sarobindum, Gatakani and other types of musical compositions namely Rk - Githa , Panika and Brahma-Gitika are taken place. Besides these the sitting arrangement of the orchestra - players and musical instruments - Tata, Susira, Ghana and Avanaddha are discussed in the Visnudharmottara Purana. Talas of four and eight matras Samya tala and three kinds of Laya are also mentioned in it.

**Conclusion:** Music is an ocean and Pur?n?s are also a vast resource. Hence it is hard enough to bring all the materials in limited pages. The study of past literature is the foot path for the future. Only from the old resources, the modified new innovations raised. Art has the liberty to catch hold something and to admit the changes within it. The seven notes, three tempos, three Sthayis, three Sth?nas of the body, three Vrttis, four kinds of instruments and so on are still practice is the mile stone of the history of music.

#### REFERENCES:

- 1) Nijenhuis, E.te., : A History of Indian Literature, Otto Harrassowiz Welsbaden, 1977 Ed. By Jan Gonda
- 2) Prajnananda Swami : Music of the South Asian People, Ramakrishna Vedanta Math, Calcutta, 1979
- 3) Prajnananda Swami : Analysis of Music in the Markandeya Puranam, The Journal of Music Academy, Madras, 1967 - 1968
- 4) V Raghavan : Music in Ancient Literature, Music Academy Souvenir, 1956
- 5) V Raghavan : Music in the Brhaddharma Purana, The Journal of Music Academy, Madras, 1938
- 6) Sures Chandra Banerji : A Companion to Indian Music and Dance, Sri Satguru Publications, Delhi -1990,

